राज्यपाल सचिवालय, बिहार
राजभवन, पटना–800022
प्रेस–विज्ञप्ति

राजभवन में 'चाणक्य' नाटक का मंचन सम्पन्न

पटना, 02 मई 2017

महामहिम राज्यपाल श्री राम नाथ कोविन्द एवं माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज राजभवन के राजेन्द्र मंडप में कला, संस्कृति एवं युवा विभाग द्वारा आयोजित तथा श्री मनोज जोशी निर्देशित 'चाणक्य' नाटक के मंचन कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि 'चाणक्य' ऐतिहासिक हिन्दी नाटक का बिहार की राजधानी पटना में मंचन अत्यन्त प्रासंगिक और समीचीन है। उन्होंने कहा कि मुम्बई में उन्होंने यह नाटक देखा था और इससे काफी प्रभावित होकर मनोज जोशी को पटना में भी अपने नाटक का प्रदर्शन करने के लिए आमंत्रित किया था। राज्यपाल ने कहा कि इस नाटक का कथानक बिहार की ऐतिहासिक विरासतों और समृद्ध सांस्कृतिक परम्पराओं से जुड़ा हुआ है। राज्यपाल ने कलाकारों को उनके बेहतर प्रदर्शन के लिए बधाई दी।

माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने भी चाणक्य का अभिनय करने वाले श्री मनोज जोशी एवं उनके पूरे नाट्य–दल को अपनी बधाई एवं शुभकामनाएँ दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'चाणक्य' नाटक के मंचन से नई पीढ़ी भी अनुप्रेरित होगी और बिहार सहित संपूर्ण भारतवर्ष के गौरवमय इतिहास से गौरवान्वित होगी। उन्होंने कहा कि वर्षों के इतिहास को ढाई घंटे के नाटक में समेटने का अदभुत और शानदार प्रयास इस नाटक में किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह तो अभी शुरूआत है, इस नाटक का पूरे बिहार में कई स्थलों पर मंचन कराया जायेगा। उन्होंने नाटक की भाषा को थोड़ा और सहज करने का भी अनुरोध किया। श्री कुमार ने कहा कि इस नाटक का मंचन सचमुच बिहार के लिए स्मरणीय रहेगा। ऐसे भव्य नाटक के राजभवन में आयोजन के लिए मुख्यमंत्री ने राज्यपाल के प्रति भी आभार व्यक्त किया।

ज्ञातव्य है कि मुम्बई की 'धर्मजम' संस्था द्वारा प्रस्तुत इस ऐतिहासिक 'चाणक्य' नाटक में चाणक्य की भूमिका में श्री मनोज जोशी, अमात्य राक्षस की भूमिका में श्री अशोक बांठिया, चन्द्रगुप्त की भूमिका में श्री धर्मेन्द्र गोहिल, सुमोहा के रूप में कविता राठोड सिंह, पुरूराज पर्वतक एवं वक्रनाश की भूमिका में संजय भाटिया, धर्मज एवं पर्वतक मंत्री के रूप में राजन जोशी, सेनाध्यक्ष व धनानंद की भूमिका में सुनील शिन्दे, आर्यधन धनपाल, शेबराज की भूमिका में दिनेश कानडे, गोपालक की भूमिका में ऋतिक संघवी, आटविक कन्या कटिका की भूमिका में चारू जोशी एवं आचार्य शकटार की भूमिका में उल्लेस कंधारे का अभिनय अत्यन्त प्रशंसनीय रहा।

यह नाटक मिहिर भूता द्वारा लिखित एवं मनोज जोशी द्वारा निर्देशित था। नाटक की निर्मात्री– चारू जोशी थीं। संगीत–संयोजन धर्मेश पटेल, कला–निर्देशन– आशुतोष आप्टे, प्रकाश योजना–रूद्र जोशी, वेशभूषा एवं रंगभूषा संयोजन–मन्टू गोसाई, गोपाल विश्वकर्मा एवं उल्लेस कंधारे का था। बैक स्टेज प्रबंधक एवं प्रोडक्शन मैनेजर–महेश परमार थे।

नाटक के पश्चात् कलाकारों एवं नाट्य सहायकों को महामहिम राज्यपाल, श्री राम नाथ कोविन्द, माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार एवं लेडी गवर्नर श्रीमती सविता कोविन्द ने अंगवस्त्रम एवं स्मृति–चिन्ह प्रदान कर सम्मानित भी किया। कार्यक्रम में विधान परिषद सभापति, विधान सभा के अध्यक्ष, माननीय मंत्रीगण, माननीय पटना उच्च न्यायालय के न्यायाधीशगण, राज्य सरकार के वरीय अधिकारीगण सहित कतिपय गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। स्वागत–भाषण कला एवं संस्कृति विभाग के उप सचिव, श्री तारानंद महतो वियोगी ने किया। कार्यक्रम संचालन डॉ॰ सुनील कुमार पाठक एवं रूपम ने किया।

.....